पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

सादर आमंत्रण

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवतरण दिवस
एवं
भव्य दीपोत्सव समारोह

आश्विन, शुक्ल पक्ष, तृतीया, विक्रम संवत्–2082, तद्नुसार
गुरूवार, 25 सितम्बर 2025

श्रीमान्

.....

.....

.....

प्रशासनिक भवन, विश्वविद्यालय प्रांगण, सीकर

आप सभी सविनय सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक
श्रीमती श्वेता यादव
कुलसचिव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी, विश्वविद्यालय, सीकर, राजस्थान

परिचय पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

- राजस्थान के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों में शामिल और शेखावाटी क्षेत्र की पहचान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर, 2012 में स्थापित हुआ। राज्य सरकार द्वारा वित्त-पोषित यह विश्वविद्यालय वैश्विक प्रतिस्पर्धी वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। करीब 61.57 एकड़ के हरियाली युक्त परिसर में फैला यह विवि पारंपरिक शेखावाटी वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण प्रस्तुत करता है।
- विश्वविद्यालय ने बहुत कम समय में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है और आधुनिक टेक्कनोलॉजी से क्वालिटी एज्युकेशन प्रदान करने में संलग्न है। वाई-फाई कैम्पस, ई-लाईब्रेरी, डिजीटल लैब्स व स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से देश-विदेश में बैठे विशेषज्ञों से स्टूडेंट्स को रूबरू कराया जाता है। कैम्पस में बना हाई-फाई मीडिया स्टूडियो पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रेक्टिकल और ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए देश-दुनिया से जोड़ता है। विश्वविद्यालय द्वारा रेडियो शेखावाटी 91.2 एफएम भी संचालित किया जा रहा है, जो आस-पास के क्षेत्र के आमजन को विश्वविद्यालय से जोड़ने का कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय समय पर परीक्षाएं कराने व परिणाम घोषित करने में भी अव्वल है। विश्वविद्यालय में परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया भी पूरी तरह डिजिटल कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने एनईपी-2020 लागू कर कई नए स्किल बेस्ड कोर्स भी शुरू किए हैं।
- विश्वविद्यालय छात्रों के व्यक्तिगत व सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता पर जोर देता है। यही दृष्टिकोण छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और तेजी से विकसित हो रहे विश्व में सफलता के लिए स्टूडेंट्स को तैयार करता है।

परिचय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय (1916-1968) एक प्रखर राष्ट्रवादी, विचारक, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री और एकात्म मानववाद के प्रणेता थे। उनका जन्म 25 सितम्बर 1916 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में हुआ था। उनका जीवन संघर्षों से भरा था। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपने माता-पिता और भाई को खो दिया था, फिर भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन किया।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी भारतीय राजनीति और दर्शन के एक महान विचारक थे। उनके विचार न केवल अपने समय के लिए प्रासंगिक थे, बल्कि आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपराओं की गहरी समझ के साथ आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनके विचारों का मूल आधार ''एकात्म मानववाद'' है, जो मनुष्य को एक समग्र इकाई के रूप में देखता है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति और समाज के बीच संतुलन स्थापित करता है, जहाँ व्यक्तिगत विकास और सामाजिक कल्याण एक-दूसरे के पूरक हैं।
- पंडित जी ने ''अंत्योदय'' की अवधारणा दी, जिसका अर्थ है समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान। यह सिद्धांत सामाजिक न्याय और समानता पर बल देता है, जहाँ विकास का लाभ समाज के सबसे कमजोर वर्ग तक पहुँचना चाहिए। ''स्वदेशी' और ''सांस्कृतिक राष्ट्रवाद'' उनके विचारों के अन्य महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ये अवधारणाएँ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के संरक्षण पर जोर देती हैं, साथ ही आर्थिक स्वावलंबन और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती हैं। उनकी आर्थिक नीतियाँ मिश्रित अर्थव्यवस्था का समर्थन करती हैं, जहाँ सरकारी नियंत्रण और निजी पहल का संतुलन हो। उन्होंने स्वदेशी उद्योगों और कृषि क्षेत्र के विकास पर विशेष बल दिया। शिक्षा के क्षेत्र में, उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय की वकालत की। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और समग्र व्यक्तित्व विकास होना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। वे हमें एक ऐसे भारत का विजन देते हैं जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा हुआ है, लेकिन साथ ही आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। उनके विचारों का अध्ययन न केवल भारतीय राजनीति और समाज को समझने में मदद करता है, बल्कि एक बेहतर और न्यायसंगत समाज बनाने की प्रेरणा भी देता है।

समारोह विजन (Vision)

- एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय की विचारधारा से समाज का उत्थान।

समारोह मिशन (Mission)

- छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार एवं जीवनी से प्रेरणा लेते हुए उन्हें प्रोत्साहित करना।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवतरण दिवस समारोह

परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएँ

प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे

निबंध लेखन प्रतियोगिता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारः वर्तमान ग्रामीण विकास के संदर्भ में

संभाषण प्रतियोगिता

विकसित भारत के संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की सार्थकता

रंगोली प्रतियोगिता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन चित्रण, भारत की संस्कृति, राजस्थान की लोक परम्परा व कला, कुटीर उद्योगों द्वारा अन्त्योदय की संकल्पना

विचार संगोष्ठी

"पंडित दीनदयाल उपाध्याय की आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा"

दोपहर 03.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक

मुख्य अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	अध्यक्षता
श्रीयुत् वासुदेव देवनानी	श्रीयुत् झाबर सिंह खर्रा	श्रीयुत् घनश्याम तिवाड़ी	प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय
सारस्वत अतिथि	**सारस्वत अतिथि**	**मुख्य वक्ता**	**मुख्य वक्ता**
श्रीयुत् विक्रम सिंह जाखल	श्रीयुत् धर्मपाल गुर्जर	डॉ. राजीव सक्सेना	प्रो. (डॉ.) लोकेश शेखावत

लोकार्पण

छात्र सुविधा केन्द्र

भव्य दीपोत्सव

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं भव्य दीपोत्सव का शुभारंभ

सांय 06.30 बजे

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवतरण दिवस
एवं
भव्य दीपोत्सव समारोह

मुख्य अतिथि

श्रीयुत् वासुदेव देवनानी
माननीय अध्यक्ष
राजस्थान विधानसभा, जयपुर

विशिष्ट अतिथि

श्रीयुत् झाबर सिंह खर्रा
माननीय मंत्री
नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन
विभाग, राजस्थान सरकार

विशिष्ट अतिथि

श्रीयुत् घनश्याम तिवाड़ी
माननीय राज्यसभा सांसद
राजस्थान

अध्यक्षता

प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय
माननीय कुलगुरु
पंडित दीनदयाल उपाध्याय
शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

सारस्वत अतिथि

श्रीयुत् विक्रम सिंह जाखल
माननीय विधायक, नवलगढ़ एवं
सदस्य, प्रबन्ध मंडल,
पीडीयूएसयू, सीकर

सारस्वत अतिथि

श्रीयुत् धर्मपाल गुर्जर
माननीय विधायक, खेतड़ी एवं
सदस्य, प्रबन्ध मंडल,
पीडीयूएसयू, सीकर

मुख्य वक्ता

डॉ. राजीव सक्सेना
माननीय अध्यक्ष
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
जयपुर प्रांत

मुख्य वक्ता

प्रो (डॉ.) लोकेश शेखावत
माननीय पूर्व कुलगुरु
जय नारायण व्यास
विश्वविद्यालय, जोधपुर